हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार : शैक्षिक भ्रमण यानी ज्ञान का खजाना (सत्र 2022-23)

रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक भ्रमण संबंधी कई गतिविधियां आयोजित की गई। इसमें आकाशवाणी में रेडियो के कामकाज को समझना, जवाहर भवन में लगी 'भारतगाथा' प्रदर्शनी के जरिए पूरे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को जानना और संसद भवन में सरकार के कामकाज के तरीके को जानना और समझना शामिल रहा।

06 सितम्बर 2022 : हिंदी पत्रकारिता के द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी बस के जरिए पाठ्यक्रम संयोजक प्रो. राकेश कुमार के नेतृत्व में आकाशवाणी पहुंचे। यहां उन्होंने जाना कि किस तरह रेडियो के लिए समाचार लिखे जाते हैं। किस तरह सम्पादित होते हैं। किस तरह उनका वाचन होता है और किस तरह से उन्हें प्रसारित किया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया जानने के लिए आकाशवाणी के अपूर्वा झा की ओर से विद्यार्थियों को बारी-बारी से हर विभाग में ले जाया गया, जहां उन्होंने रेडियो पर पूरे कामकाज की प्रक्रिया देखी। साथ ही मन में उठ रही जिज्ञासाओं को सवालों के जरिए रखा। इस दौरान विभाग की ओर से डॉ. सीमा भारती, डॉ. अटल तिवारी, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. निशा सिंह, सुश्री श्वेता आर्या मौजूद रहीं।

06 सितम्बर 2022 : आकाशवाणी के बाद विद्यार्थियों ने संयोजक प्रो. राकेश कुमार के निर्देशन में जवाहर भवन में लगी 'भारतगाथा' प्रदर्शनी को देखने गए। इस प्रदर्शनी का संयोजन राष्ट्रीय आंदोलन फ्रंट और राजीव गांधी फाउंडेशन की ओर से किया गया था। इसमें आजादी की पूरी गाथा को 75 आदमकद पैनल में दिखाया गया था। महत्वपूर्ण बात यह रही कि राष्ट्रीय आंदोलन फ्रंट के संयोजक डॉ. सौरभ बाजपेयी ने बारी-बारी से सभी पैनल के बारे में विद्यार्थियों को बताया कि किस तरह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आजाद कराने में अपनी भूमिका का निर्वाह किया। अंत में जवाहर भवन के मुख्य अधिकारी विजय महाजन के साथ एक सवाल जवाब का सत्र भी रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों की ओर से किए गए सवालों का जवाब विजय महाजन, सौरभ बाजपेयी और प्रो. राकेश कुमार ने दिया।

21 सितम्बर 2022 : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के तृतीय वर्ष के विद्यार्थी संसद भवन के भ्रमण पर गए। शिक्षिका डॉ. सीमा भारती व डॉ. अटल तिवारी के निर्देशन में गए विद्यार्थियों ने संसद के दोनों सदनों में कामकाज के तौर-तरीकों के बारे में जाना। इसके साथ ही उन्होंने सेन्ट्रल हाल का भी भ्रमण किया, जहां विशेष परिस्थितियों में दोनों सदनों का संयुक्त सत्र होता है। इसके साथ ही जिस पुस्तकालय का इस्तेमाल संसद के सदस्य करते हैं, उसको भी निहारा। संसद के इतिहास पर केन्द्रित एक लघु फिल्म भी विद्यार्थियों ने देखी। तत्पश्चात संसद के एक अधिकारी के साथ सवाल-जवाब का सत्र भी हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने संसद और भारतीय राजनीति से जुड़ी अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया।

20 दिसम्बर 2022 : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम की ओर से फेक न्यूज पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह ऑनलाइन और आफलाइन दोनों माध्यम में रखी गई, जिससे बड़े पैमाने पर लोग जुड सके। इसमें विशेषज्ञ निमिष कपूर ने फेक न्यूज क्या होती है, उसे कैसे पहचाना जाए, उसके लिए कौन से टूल्स इस्तेमाल किए जाएं, इस पर विस्तार से बताया। इस कार्यशाला का संयोजन शिक्षिका सुश्री श्वेता आर्या ने किया।

02 से 04 नवम्बर 2022 : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार ने भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के संयुक्त तत्वावधान में सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम निर्माण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईएमसी में आयोजित कार्यशाला के पहले दिन संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने प्रतिभागियों

और शिक्षकों का स्वागत करते हुए ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। रजिस्ट्रार रितेश पाठक ने कानूनी पक्ष के बारे में विस्तार से बताया। रेडियो कार्यक्रम प्रस्तोता कविता शर्मा और शशांक शेखर ने वायस माड्यूलेशन सहित कार्यक्रम से जुड़ी अनेक जानकारियां विद्यार्थियों से साझा की। दूसरे दिन प्रो. गोविन्द सिंह और पूजा मुरादा ने अलग-अलग सत्रों में बात रखी। इसमें कार्यक्रम की पटकथा लेखन और उसमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इस पर बात की गई। तीसरे दिन कार्यक्रम के संपादन का जिम्मा संभालने वाली फरज़ीन सुल्तान ने कार्यक्रमों की रिकार्डिंग और संपादन की बारीकियां सिखाई। रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता की ओर से कार्यशाला का निर्देशन संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने किया। साथ ही डॉ. अटल तिवारी, डॉ. निशा सिंह और सुश्री श्वेता आर्या की मौजूदगी रही।

20 जनवरी 2023 : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार की ओर से संचार मीडिया फेस्ट 2023 का आयोजन किया गया। फेस्ट का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि और टीवी पत्रकार राणा यशवंत ने टीवी पत्रकारिता, आवाज का महत्व और पठन-पाठन के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने कई राज्यों से आए प्रतिभागियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों और मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए ऐसे आयोजन का महत्व रेखांकित किया। फेस्ट में 10 प्रतियोगिताएं रखी गई थीं। इसमें सबसे अधिक प्रतियोगिताओं में बाजी मारते हुए चंडीगढ़ विवि ने विजेता ट्राफी पर कब्जा जमाया। वहीं उपविजेता ट्राफी दिल्ली विवि के कालिन्दी महाविद्यालय की छात्राओं के नाम रही। संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने विभाग के कामकाज के बारे में बताया। फेस्ट में 55 शैक्षिक संस्थाओं की सहभागिता रही। फेस्ट के संयोजन की जिम्मेदारी शिक्षक डॉ. प्रदीप कुमार ने निभाई।

13 फरवरी 2023 : दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय में विश्व रेडियो दिवस पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन तरंग 90.0 का उद्घाटन हुआ। विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय में यह पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन है। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रो. एससी गरकोटी ने स्टेशन का उद्घाटन करते हुए इसके सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए सामुदायिक रेडियो की महत्ता पर प्रकाश डाला। हिंदी पत्रकारिता एवं संचार के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने सामुदायिक रेडियो की पूरी यात्रा के बारे में बताया। साथ ही इस दौरान आने वाली चुनौतियों और उनका क्रमवार हुए निदान के बारे में भी जानकारी दी। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों से अधिक से अधिक सहभागिता करने की बात कही। इस मौके पर उप प्राचार्य प्रो. सुभाष चन्द्र डबास सहित बड़े पैमाने पर महाविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे। संचालन शिक्षिका सुश्री श्वेता आर्या ने किया।

प्रो. राकेश कुमार
संयोजक, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार